दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 28 सितंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 03

महत्वपूर्ण एवं खास

भागलपुर में ई-रिक्शा चालक की गला रेत कर हत्या

भागलपुर (आरएनएस)। बिहार में भागलपुर जिले के सबौर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने ई-रिक्शा चालक की गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि धनकर गांव के समीप बीती देर रात को अपराधियों ने ई- रिक्शा चालक देव कुमार (32) की गला रेत कर हत्या कर दी और शव को बगल के बगीचे में फेंक दिया। इसके बाद अपराधी ,ई-रिक्शा लेकर फरार हो गए। सूत्रों ने बताया कि मृतक जिले के तातारपुर क्षेत्र के गोला घाटइला का निवासी था।संभवत: लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने उसकी हत्या कर दी है। इस सिलसिले में मृतक के परिजनों के बयान पर पुलिस ने संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज मामले की जांच शुरु कर दी है।

सागर में स्कूल बस हादसे का शिकार, कई छात्र गंभीर

सागर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सागर जिले में छात्रों से खचाखच भरी एक स्कूल बस आज सुबह हादसे का शिकार हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार राहतगढ़ विकासखंड में हुए इस हादसे में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलने पर हादसे के स्थल पर पहुंचे कलेक्टर दीपक आर्य समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बच्चों को बस से निकाल कर जिला चिकित्सालय भिजवाया। राहतगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि विकासखंड के एक निजी स्कूल की बस राहतगढ़-खुरई रोड पर ग्राम चंद्राकर के पास अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायल बच्चों को बस से निकाल कर राहतगढ़ स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस में राहतगढ़ के कई निजी स्कूलों के लगभग 40 से 50 बच्चे बस में मौजूद थे। बस सडक़ छोडक़र खेत में जाकर पलट गई।

हिरासत में एसडीपीआई के 15 कार्यकर्ता, एनआईए और एटीएस कर रही पूछताछ

अहमदाबाद (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुजरात एटीएस के साथ मिलकर मंगलवार को सोशल डेमोक्रेट्रिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के खिलाफ कार्रवाई की। 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ की जा रही है। एसडीपीआई पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा है। एटीएस के सूत्रों ने कहा कि राज्य की टीम एसडीपीआई सदस्यों से पूछताछ में एनआईए की टीम की मदद कर रही है। एजेंसी पार्टी में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी इक_ा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही यह जानने में जुटी है कि क्या उनका पीएफआई के साथ कोई संबंध है, वे कैसे धन जुटा रहे हैं और डोनर्स कौन हैं। जिन सदस्यों से पूछताछ की जा रही है वे अहमदाबाद, बनासकांठा, सूरत और नवसारी के हैं। एनआईए इस पर आधिकारिक बयान जारी करेगी। एक पदाधिकारी ने कहा कि चूंकि पार्टी ने हाल ही में गुजरात में प्रवेश किया है, इसलिए कोई आधिकारिक नियुक्ति नहीं की गई है। 15 लोगों से पूछताछ के बारे में किसी भी सदस्य को कोई जानकारी नहीं है।

राजस्थान संकट के बीच गहलोत सरकार ने बीजेपी मेयर सौम्या गुर्जर को किया बर्खास्त, 6 साल चुनाव लड़ने पर लगाई रोक

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में जारी राजनीतिक संकट के बीच गहलोत सरकार ने मंगलवार को भाजपा की मेयर सौम्या गुर्जर को पद से बर्खास्त कर दिया। 23 सितंबर को इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में उठाया गया और राज्य सरकार को दो दिन बाद कार्रवाई करने को कहा गया। सोमवार को छुट्टी होने के कारण राज्य सरकार ने मंगलवार को मेयर को बर्खास्त करने का प्रस्ताव तैयार कर शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल को भेज दिया। मंत्री की स्वीकृति मिलने पर स्वायत्तशासी शासन विभाग ने महापौर को पद से बर्खास्त करने और अगले छह वर्षों के लिए चुनाव लडऩे से अयोग्य घोषित करने का आदेश जारी किया। गौरतलब है कि जून 2021 में जयपुर नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में मेयर सौम्या गुर्जर, तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव और अन्य पार्षदों के बीच हुई बैठक में विवाद की सूचना मिली थी।

पार्षद और मेयर के बीच कमिश्नर से बहस हो गई। कमिश्नर बैठक को बीच में ही छोड़ कर चले गए थे। लेकिन पार्षदों ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। आयुक्त ने तीन पार्षदों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए सरकार को लिखित शिकायत दी और ज्योति नगर थाने में मामला दर्ज कराया। 5 जून को सरकार ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए मेयर सौम्या गुर्जर व पार्षद पारस जैन, अजय सिंह, शंकर शर्मा के खिलाफ मिली शिकायत की जांच स्वायत्त शासन निदेशालय के क्षेत्रीय निदेशक को सौंप दी।

सरकार ने छह जून को जांच रिपोर्ट में चारों को दोषी मानते हुए सभी (महापौर और तीन पार्षदों) को पद से निलंबित कर दिया था। उसी दिन, सरकार ने उन सभी के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू की। उसी महीने, राज्य सरकार ने एक आदेश जारी किया और पार्षद शील धाबाई को कार्यवाहक मेयर नियुक्त किया। मेयर गुर्जर ने निलंबन को हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन 28 जून को हाईकोर्ट ने निलंबन आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जुलाई में सौम्या गुर्जर ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर न्यायिक जांच पर रोक लगाने और निलंबन आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी।

1 फरवरी 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने निलंबन आदेश पर रोक लगा दी, जिसके बाद सौम्या गुर्जर ने 2 फरवरी को मेयर की कुर्सी फिर से संभाल ली। सौम्या और तीन अन्य पार्षदों के खिलाफ न्यायिक जांच की रिपोर्ट 11 अगस्त को आई, जिसमें सभी को दोषी पाया गया था। 22 अगस्त को सरकार ने भाजपा के तीन पार्षदों की सदस्यता समाप्त कर दी। इस न्यायिक जांच के आधार पर उन्हें सरकार ने हटा भी दिया है। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर न्यायिक जांच की रिपोर्ट पेश की और मामले की जल्द सुनवाई की मांग की। शीर्ष अदालत ने 23 सितंबर को सरकार को आगे बढऩे की अनुमति दी थी।

गहलोत समर्थक विधायकों के बदले सुर, अब सचिन पायलट को सीएम बनाने का किया समर्थन

राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर उठा सियासी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंत्री पद को लेकर मचे इस घमासान पर कांग्रेस आलाकमान काफी सख्ती दिखा रहा है। आलाकमान की सख्ती का असर अब विधायकों पर दिखने लगा है। इंदिरा मीणा, जितेंद्र सिंह और मदन प्रजापति के बाद अब अशोक गहलोत समर्थक चौथे विधायक संदीप यादव ने भी अपना पाला पलट लिया है। दरअसल पहले ये विधायक अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन कर रहे थे, लेकिन अब इन विधायकों ने अपना पलड़ा पलट लिया है। अब ये विधायक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का राग अलापने लगे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये चारों विधायक गहलोत के वफादार मंत्री शांति धारीवाल के घर हुई बैठक में शामिल थे। इसके बाद मंगलवार सुबह ही गहलोत खेमे के विधायक संदीप यादव ने एक वीडियो जारी कर कहा कि, मैं कांग्रेस हाईकमान के साथ हूं। उनका हर फैसला मुझे मंजूर है। वहीं, मदन प्रजापति ने भी अपना रुख बदलते हुए सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने पर एतराज नहीं होने की बात कह डाली।गहलोत का समर्थन करने वाली विधायक इंदिरा मीणा ने कहा, हमें पहले मुख्यमंत्री निवास बुलाया गया था। मगर बाद में कहा गया कि शांति धारीवाल के घर आओ। वहां जाने पर एक कागज पर साइन करा लिया और वो हमने पढ़ा नहीं। हमारा सचिन पायलट से कोई विरोध नहीं है। वह सीएम बनते हैं तो हमारे लिए अच्छा रहेगा।

अंकिता की फाइनल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई सामने, मौत की बताई गई वजह

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में एसआईटी की जांच तेज हो गई है। एसआईटी की टीम अब रिसार्ट के स्टाफ के बयान दर्ज कर रही है। अंकिता की फाइनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। जिसमें उसकी मौत का कारण दम घुटना और पानी में डूबने से हुई बताई गई है। साथ ही शरीर पर 5 चोट के निशान के बारे में पता चला है। वहीं अंकिता के स्वजन पोस्टमार्टम के बाद से ही उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे थे। सोमवार देर शाम उन्हें भी यह रिपोर्ट उपलब्ध करा दी गई।

इस बीच मामले की जांच कर रही एसआइटी ने रिसार्ट पहुंचकर वहां के स्टाफ के बयान दर्ज किए। घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य एकत्र किए।

अब आरोपियों को रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्या सहित गिरफ्तार तीनों आरोपियों को एसआइटी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। इसके लिए मंगलवार को अदालत में अर्जी दाखिल की जा सकती है।

वहीं एम्स के चार डाक्टरों के पैनल ने अंकिता का पोस्टमार्टम किया था। अंकिता के शव का पोस्टमार्टम एम्स ऋषिकेश के चार डाक्टरों के पैनल ने किया है। सोमवार शाम को विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट एसआइटी को मिल गई। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना और डूबना बताया गया है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट मृतका के स्वजन के साथ भी साझा कर दी गई है।

मशहूर अभिनेत्री आशा पारेख को फाल्के पुरस्कार

❐ राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी सम्मानित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कटी पतंग, मेरा गाँव मेरा देश और लव इन टोक्यो जैसी यादगार फिल्मों में भूमिका निभाने वाली हिंदी रजतपटल की अपने समय की महान अभिनेत्री आशा पारेख को वर्ष 2020 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पारेख को यह पुरस्कार नयी दिल्ली में 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह में 30 सितंबर को प्रदान करेंगी।

52वें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के निर्णायक मंडल के इस निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय

मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए सम्मानित महसूस हो रहा है कि दादासाहेब फाल्के चयन जूरी ने आशा पारेख जी को भारतीय सिनेमा में उनके अनुकरणीय जीवन भर के योगदान के लिए मान्यता और पुरस्कार देने का निर्णय लिया है।ठाकुर ने यह भी घोषणा की कि 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 30 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे और इसकी अध्यक्षता भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी।

आशा पारेख ने फिल्मों में अभिनय के अलावा निर्देशक और निर्माता की भूमिका में भी भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया। उन्होंने सिनेमा और नृत्यकला प्रेमियों के मन पर एक कुशल भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना के रूप में भी अपनी अमिट डाली है। एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू करते हुए उन्होंने दिल देके देखो में मुख्य नायिका के रूप में अपनी शुरुआत की और 95 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने तीसरी मंजिल, आया सावन झूम के, आन मिलो सजना, मेरा गांव मेरा देश जैसी मशहूर फिल्मों में भी यादगार अभिनय किया है। पारेख को फाल्के पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय पांच सदस्यों की जूरी द्वारा लिया गया था। इसमें आशा भोसले, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लो, टी. एस. नागभरण, उदित नारायण शामिल थे। आशा पारेख को 1992 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 1998-2001 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के प्रमुख के रूप में भी काम किया है।

उद्धव गुट को एससी से झटका, 'असली' शिवसेना तय करने वाली ईसी की कार्यवाई पर रोक नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र में सियासी संकट पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने बड़ा फैसला सुनाया है। उद्धव गुट की अर्जी को खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इस फैसले से एकनाथ शिंदे कैंप को राहत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को यह निर्णय लेने की अनुमति दे दी कि शिवसेना का कौन सा धड़ा असली है और किसे शिवसेना का चुनावी चिन्ह दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लेते हुए मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और साथ ही उद्धव ठाकरे खेमे की याचिका को खारिज कर दिया। यहां मामले में दूसरे धड़े का नेतृत्व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कर रहे हैं। शिंदे गुट का तर्क है कि शिवसेना के ज्यादातर विधायक और सांसद उनके खेमे का हिस्सा है। ऐसे में शिवसेना का चुनाव चिन्ह उन्हें दिया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले शिवसेना सुप्रीमो और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा था कि उन्हें विश्वास है कि उनकी टीम विद्रोही के खिलाफ कानूनी लड़ाई में विजयी होगी। शिंदे ने जून माह में भाजपा की मदद से उद्धव ठाकरे की महाविकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी और 30 जून को सीएम पद की शपथ ली।

23 अगस्त को, सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे और शिंदे के नेतृत्व वाले गुटों द्वारा दायर याचिकाओं को पांच-न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा था, जिसमें दलबदल, विलय और अयोग्यता से संबंधित कई संवैधानिक प्रश्न उठाए गए थे। ठाकरे के वकीलों ने पहले कहा था कि शिंदे के प्रति वफादार पार्टी विधायक किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ विलय करके ही संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से खुद को बचा सकते हैं। जवाब में शिंदे समूह ने तर्क दिया था कि दलबदल विरोधी कानून उस नेता के लिए हथियार नहीं हो सकता जिसने अपनी ही पार्टी का विश्वास खो दिया हो।

कश्मीर मुठभेड़ में मारे गए पाक आतंकी की हुई पहचान

श्रीनगर (आरएनएस)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान मारे गए एक आतंकवादी की पहचान प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन के पाकिस्तानी सदस्य के रूप में की गई है। इस बात की जानकारी सेना के अधिकारियों ने मंगलवार को दी। अधिकारियों के मुताबिक, अबू हुरेरार्ह सोमवार को वेलबटापुरा गांव में हुई मुठभेड़ में मारा गया। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर गांव में सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया था।

सुरक्षा बलों द्वारा गांव में घरों के संदिग्ध समूहों के चारों ओर त्वरित घेराबंदी स्थापित की गई थी। एक घर में एक से दो आतंकवादियों की मौजूदगी का संदेह होने पर, सुरक्षा बलों ने आसपास के नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर निकालना शुरू कर दिया। जैसा कि पहले के अभियानों में भी देखा गया है, आतंकवादियों ने भागने के अवसर का फायदा उठाने की उम्मीद में नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। नागरिक जीवन के लिए खतरे को भांपते हुए और व्यक्तिगत सुरक्षा की अवहेलना करते हुए, सैनिकों ने निकासी प्रक्रिया को तेज कर दिया, साथ ही आतंकवादी को मार गिराया।

सेना ने कहा कि, नागरिकों को बचाने और उन्हें गोलाबारी क्षेत्र से बाहर निकालने का प्रयास करते हुए, एक अधिकारी को बंदूक की गोली लगी और उसे 92 बेस अस्पताल, श्रीनगर ले जाया गया। दो नागरिकों को भी चोटें आईं, जब उन्हें ग्रेनेड फेंककर आतंकवादी ने निशाना बनाया। इनमें से एक को 92 बेस अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। लक्षित घर के आसपास कोई नागरिक उपस्थिति नहीं होने की सकारात्मक पुष्टि पर, सेना ने आतंकवादी को बेअसर करने के लिए एक अभियान चलाया।

आतंकवादी को बाद में बेअसर कर दिया गया और जेकेपी द्वारा पाकिस्तान के निवासी अबू हुर्राह और जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के कट्टर सदस्य के रूप में पहचाना गया। सेना ने कहा, एक एके सीरीज राइफल, एक पिस्टल, ग्रेनेड और अन्य जंगी सामान बरामद किए गए हैं।

पेड़ के ऊपर 90 मिनट, केरल के युवक ने जंगली हाथियों से खुद को बचाया

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। सुरम्य मुन्नार पर्यटन स्थल के पास अपने खेत में काम करते हुए केरल के एक युवक ने अचानक खुद को जंगली हाथियों के झुंड के बीच में पाया। ऐसे में खुद को बचाने के लिए युवक ने पेड़ का सहारा लिया। विभिन्न आकार के हाथियों को अपनी ओर बढ़ते देख साजी नाम के युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उसे लगा कि वह आगे नहीं भाग सकता। इसीलिए उसने एकमात्र विकल्प चुना, उसने लंबे यूकेलिप्टस के पेड़ को अपना सहारा बना लिया और

पेड़ पर चढ़ गया।

हाथियों ने पेड़ को घेर लिया परंतु साजी उस पेड़ पर बैठा रहा। एक वक्त पर जब साजी की ऊर्जा खत्म होने लगी तब मदद के लिए उसने आवाज लगाई तो आवाज सुनकर स्थानीय लोग एकजुट हो गए। करीब 90 मिनट के बाद स्थानीय लोग जंगली हाथियों को भगाने में सफल रहे। जैसे ही हाथियों का झुंड चला गया, साजी स्थानीय लोगों का धन्यवाद करते हुए नीचे आ गया।

इसको लेकर साजी ने कहा, मैं अपने खेत पर काम कर रहा था और हाथियों को अपनी ओर आते देखकर चौंक गया। मैं दौड़ा और फिर पेड़ पर चढऩे का फैसला किया। मैं अपनी सारी ऊर्जा के साथ मदद के लिए चिल्लाया। बाद में सबने आकर मुझे बचा लिया। इस बीच, चिन्नाकनाल के स्थानीय लोगों ने जंगली हाथियों के खतरे के खिलाफ वन विभाग से निगरानी की मांग की।

भारत रत्न लता मंगेशकर चौक का आज होगा लोकार्पण

❐ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे वर्चुवल उद्घाटन

❐ सीएम योगी रहेंगे कार्यक्रम में उपस्थित

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में बनाये गये लता मंगेशकर चौक का उद्घाटन 28 सितंबर को सुबह 10. 30 पर होगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तौर पर कार्यक्रम में शामिल होकर लता चौक का उद्घाटन करेंगे। समारोह के लिए लता मंगेशकर के परिजनों में बहन ऊषा मंगेशकर आदि को भी निमंत्रण भेजा गया है। करीब आठ करोड़ से बने इस भव्य चौक पर 40 फिट ऊंची और 14 टन वजन

की 10 फिट चौड़ी भव्य वीणा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, इस पर सरस्वती व मोर के चित्र उकेरे गए हैं। लोकार्पण समारोह में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारत सरकार के संस्कृति पर्यटन मंत्री जी0 किशन रेड्डी व उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आदि अतिथि आ रहे है। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त साधु संत भी आमंत्रित किये गये है। कार्यक्रम में मानक के अनुसार मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। यहां सायं 06 बजे सुप्रसिद्व गायिका सुश्री सावनी रवीन्द्र द्वारा लता स्वरांजलि की प्रस्तुति की जायेगी।

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर के जन्म दिवस के अवसर पर लता मंगेशकर चौक के लोकार्पण कार्यक्रम के दृष्टिगत लता मंगेशकर चौक व चौक के लोकार्पण के उपरांत होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल राम कथा पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने चौक लोकार्पण के अवसर पर उसके पास व राम कथा पार्क में माव मुख्य अतिथि व जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों तथा सम्मानित साधु-संतों व समस्त आगंतुकों के सुचारू रूप से कार्यक्रम स्थल तक आने तथा बैठने की सुगम व्यवस्था संबंधित समस्त कार्यों को समय से पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों व कार्यदाई संस्थाओं को निर्देशित किया। उन्होंने वाहनों की पार्किंग की भी सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित रखने हेतु मजिस्ट्रेट व पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त विशाल सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।